प्रश्न — फ्रांसीसी क्रान्ति में दार्शनिकों की भूमिका

संसार में हुई क्रान्तियों के पृष्ठों पर ध्यान दिया जाता है तो पाया जाता है कि संसार में जितनी भी क्रान्तियाँ हुई है कोई एक कारण से नहीं बल्कि क्रान्तियों के तह में अनेक जटिल समस्या छुपी रहती है और समय पर उचित समाधान नहीं किया गया तो ज्वालामुखी का विस्फोट अनिवार्य हो जाता है जो 1789 में फ्रांसीसी समाज ज्वालामुखी पर बैठा था सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक के अलावा दार्शनिक की भूमिक कम नहीं आंका जा सकता इसलिए

DECEMB
2005
M 5 12

1789 ई में फ्रांस में क्रान्ति के सन्दर्भ में बोलते
नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था
कि रूसो न हुआ होता तो फ्रांस में
क्रान्ति भी नहीं हुई होती।।। इस कथन से
रूसो एवं उसके समकालीन विचारको जिसको
गलती से दार्शनिकों की संज्ञा दी गई है
वाल्टेयर, माण्टेस्क्यू, दिदरो, काण्डर्से
तथा क्वेसने आदि का क्रान्ति पर स्पष्ट
प्रभाव परिलक्षित होता है फ्रांस में विरोध
का जो नया सा पौधा लगा हुआ था
उसे विचारकों का लेखन के खाद पानी से
प्रभावित पुष्टि तथा समृद्धि प्राप्त हुई
क्रान्ति की अग्नि को तीव्र रूप प्रदान करने का
श्रेय इन्हीं विचारको को दिया जाता है

क्रान्ति के पूर्व के
विचारकों सर्वप्रथम माण्टेस्क्यू का नाम
उल्लेखनीय है माण्टेस्क्यू ने राजा के दैवी-
सिद्धान्त को गलत बताया तथा उसकी स्वेच्छाचारी
नीति का विरोध किया. माण्टेस्क्यू ने जनता
का ध्यान एक नवीन शासन पद्धति की ओर
आकर्षित किया तथा फ्रांसीसियों के समक्ष एक
संवैधानिक राजतंत्र स्थापित करने का
सुझाव रखा उसने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक द
स्पिरिट ऑफ लॉज में बताया कि राज्य की
तीनों शक्तियों - कार्यपालिका, व्यवस्थापिका
न्यायपालिका यदि एक व्यक्ति
सम्पादित करता है तो वह स्वेच्छाचारिता हो जाता

राजनीतिक तथा सामाजिक धार्मिक
जनता का विद्रोह संस्थाओं पर
ने आरम्भ से उसी समय समाप्त
नवीन कार्य करने लेकर और
हुआ उसने एक जनता सामने
आदिपत्र हुआ उसने एक आदर्श अवस्था
कल्पना की इसने कहा कि राज्य, राजा
को. धार्मिक से भी उपर एक व्यक्ति है जो
सर्वशक्तिमान है वह जनमत द्वारा अपनी
पुस्तक सोशल कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से
राजा के पद को दैवी अधिकार का खण्डन
किया रूसो ने स्वतंत्रता. समानता को मनुष्य का
जन्मसिद्ध अधिकार बतलाया और कहा कि
राजतंत्र की जगह प्रजातंत्र की स्थापना होनी
चाहिए यदि राजा प्रजा को अधिकार नहीं
देता है तो उसे लड़कर अधिकार प्राप्त
करना चाहिए उसका प्रसिद्ध नारा था
प्राकृतिक दशा में लौटो ने जनता को
काफी प्रभावित किया. रूसो चाहता था कि पक्षी
की तरह मनुष्य स्वतंत्र में विचरण करें अतः
फ्रांसीसी जनता को एक नया दिशा दिया

इन तीन महान विचारकों
के अतिरिक्त कुछ अन्य लेखक भी थे जो
फ्रांस में अन्याय पूर्ण व्यवस्था को बदलने के
लिए जनता को प्रोत्साहित किया जिसमें
दिदरो का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है
विश्वकोश के रूप में सारी

जाता है अतः व्यक्ति की स्वतंत्रता, और
FRIDAY रखने के लिए इन तीनों
शक्तियों का पृथक्करण जरूरी है
इसके विचार से वैधानिक शासन की
स्थापना जनकल्याण तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता
के लिए अत्यंत आवश्यक है।

वाल्तेयर 1694

जनता की सम्पूर्ण विशेषताओं का प्रतिनिधित्व
करता था यदि कहा जाए की इटली को अपने
दांते और जर्मनी को अपने धर्मसुधार आन्दोलन
पर गर्व था तो फ्रांस को अपने वाल्तेयर पर
नाज था अपने देश के लिए वाल्तेयर रेनेसा,
धर्मसुधार आन्दोलन और क्रान्ति तीनों ही था।
वाल्तेयर ने सर्वप्रथम धार्मिक व्यवस्था और
चर्च को अपना पहला शिकार बनाया अपने
व्यंग्यात्मक लेखों द्वारा पादरियों के भ्रष्टाचार
का भण्डाफोड़ किया. इनके लेखों का परिणाम
चर्च तथा पादरियों के प्रति जनता की श्रद्धा
समाप्त हो गई. वाल्तेयर ने जनता को
बताया कि वही विचार मानना चाहिए जो
जनता के लिए ठीक रहे अतः वाल्तेयर
फ्रांस के बुद्धजीवियों को सोचने के लिए
बाध्य कर दिया जो 1789 ई. में क्रान्ति होना
आवश्यक हो गया।

एक तरफ हम देखते
है कि रूसो और वाल्तेयर ने अपने विचा

सबसे अधिक गंभीर कार्य दिदरो द्वारा सम्पादित इन्साइक्लोपीडिया को
सत्रह खण्डो में था वैज्ञानिक, तकनीकी और
ऐतिहासिक ज्ञान का यह संग्रह था इसमें तत्कालीन
समाज की तीखी आलोचना की गई थी, राज्य
और चर्च की सत्ता की स्वेच्छाचारिता
को उजागर दिखाने में दिदरो व
क्रांतिकारियों को प्रमुख
देन माना जाता है।

इनके अतिरिक्त क्वेसने
एक अर्थशास्त्री था जो व्यापारियों
पर कर लगाने का विरोधी था वह नहीं
चाहता था कि व्यापरियों पर अत्यधिक
कर का बोझ पड़े चूंकि वह उन्मुक्त
व्यापार का समर्थक था वह वाणिज्यवाद
का आलोचना किया वह नहीं चाहता
था कि आर्थिक कार्यकलापों पर
सरकारी हस्तक्षेप हो अतः इनके सिद्धान्तों
का फ्रांसीसी बुर्जुआवर्ग पर गहरा प्रभाव
पड़ा

अतः निष्कर्ष के तौर पर
कहा जा सकता है कि विचारकों, लेखकों
प्रचारकों द्वारा प्रतिपादित विचार
ने समाज में सभी तबके के लोगों
प्रभावित किया उनके लेखकों ने फ्रांस की
जनता में वैचारिक हलचल पैदा

कर दिया और प्रकार शान्ति का मनोवैज्ञानिक

MONDAY

06

JUNE आधार तैयार हुआ जिनलोगों ने

एक ऐसी शान्ति निर्मित की जिनके व दौलत

भरत. दौलत और शक्तिशाली पुरातन व्यवस्था

को आत्मसात कर सके।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

...यों का वर्णन है।